संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के पीए से हारने वाली हैं स्मृति ईरानी: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा अमेठी से पहले और भी लोगों ने चुनाव लड़ा है जो गांधी परिवार के बहुत ही करीब रहे... भाजपा को क्या पड़ी है कि कौन कहां से चुनाव लड़े? मुझे स्मृति ईरानी पर बहुत दया आती है कि वे राहुल गांधी के पीए से हारने वाली हैं। ये बहुत ही सोच समझकर लिया हुआ निर्णय है... के.एल. शर्मा बहुत ही जमीनी कार्यकर्ता हैं... कांग्रेस पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता इस बार स्मृति ईरानी को परास्त करेगा। आपको बता दे की कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब यूपी की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ेंगे। जबकि उनकी परंपरागत सीट अमेठी में किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। फिलहाल प्रियंका गांधी चुनाव मैदान से बाहर दिख रही हैं। इससे पहले उन्हें रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

अब 400 पार की? बात नहीं कर रही भाजपा, दो चरणों के मतदान के बाद क्यों डर रहे हैं मोदी- कांग्रेस

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस कमेटी के सदस्य गुरदीप सप्पल ने आज पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार डरी हुई सरकार है यह सरकार जल्द ही जाने वाली है। मोदी जी जो खुद डरे है, कांग्रेस को उल्टा सलाह दे रहे है कि डरो मत। अब मोदी जी की अबकी बार 400 पार बोल कर दिखाने की हिम्मत नही हो रही। उन्होंने कहा कि मोदी इस बात का जवाब दे कि कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी चुनाव से क्यों भाग खड़ी हुई। तीन सीटें है कश्मीर में, लेकिन बीजेपी एक भी सीट पर चुनाव लडने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही। उन्होंने कहा ये वो कश्मीर है जिस कश्मीर पॉलिसी को लेकर मोदी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते है। उन्होंने आगे कहा पीएम मोदी डरिये मत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। आप जाइए वहां से चुनाव लड़िए आप चार सौ पार की बात करते है फिर क्यों कश्मीर की तीन सीटों को जाने दे रहे हैं। मोदी सरकार में महंगाई लोगों को चुभ रही है। पढ़ाई, दवाई, रोजमर्रा की जरूरतों को पूरी करने के लिए लोग अपनी बचत का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा मोदी जी मंगलसूत्र की बात करते है पिछले पांच वर्षों में गोल्ड लोन लगभग पांच प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने देश को इस कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां महिलाएं अपने जेवर, मंगलसूत्र गिरवी रखकर अपने घर,बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठा रही हैं। गुरदीप सप्पल ने कहा अगर कांग्रेस की सरकार आएगी तो हम सबसे पहले महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को सालाना एक लाख रुपए देंगे। ताकि महिलाएं अपनी बचत काट कर अपनी जरूरतों को पूरा ना करना पड़े। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने जो मंगलसूत्र गिरवी रखवा दिए उनको भी महिलाएं छुड़ाकर वापस ले आएं। महिलाओं की बेसिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कांग्रेस सरकार महिलाओं को साल में एक लाख रुपए महीने के लगभग साढ़े आठ हजार रुपए हर साल देगी।

वीआईपी बंदियों वाली दिल्ली की तिहाड़ जेल की सुरक्षा में फिर सेंध, 4 साल में 6 कैदियों की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया की सबसे सुरक्षित जेल कहलाने वाली दिल्ली की तिहाड़ जेल की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लग गई है। जेल नंबर-3 में शुक्रवार को दो कैदियों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान अफगान मूल के नागरिक ने विचाराधीन कैदी को चाकू से गोद डाला।

सूचना पर पहुंची पुलिस 29 वर्षीय घायल दीपक को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच के लिए स्थानीय मजिस्ट्रेट को सूचना दी। मजिस्ट्रेट ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मृतक 29 वर्षीय दीपक अपने परिवार के साथ शकूरपुर में रहता था। दीपक को पश्चिम विहार थाना पुलिस ने 2018 में लूट और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दीपक की हत्या करने वाला

44 वर्षीय अब्दुल बशीर अखोंदजादा ई-104, लाजपत नगर में रहता है। अब्दुल मूल रूप से अफगानिस्तान का रहने वाला है। अब्दुल को लाजपत नगर थाना पुलिस ने मार्च 2019 में आईपीसी की धारा 307 के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया था। अब्दुल और दीपक को जेल नंबर-3 में रखा गया था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब्दुल और दीपक के बीच शुक्रवार सुबह ही खाना खाने को लेकर झगड़ा हुआ था। उस समय जेल नंबर-3 में मौजूद अन्य कैदियों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया, जिसके बाद दोनों सेल में चले गए। दोपहर करीब 12.30 बजे अब्दुल ने दीपक पर हमला कर दिया। अब्दुल ने स्टील के बर्तन को नुकीला कर चाकू बनाया हुआ था, इसी चाकू से उसने दीपक के सीने पर हमला किया। नुकीला हिस्सा उसके दिल के पास लगा, जिससे वह बेसुध हो गया।

तिहाड़ प्रशासन का कहना है कि विचाराधीन कैदी पर हमले की सूचना पर क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंच गई। क्यूआरटी टीम ने दीपक को मेडिकल सहायता दी और उसे डीडीयू अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तिहाड़ जेल में कैदी की मौत के बाद जेल में सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

तिहाड़ जेल में इस समय कई वीआईपी कैदी बंद हैं। इसके बाद भी जेल में हत्या से सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। तिहाड़ की जेल नंबर दो में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित बीआरएस नेता के कविता, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बंद हैं। इसके चलते तिहाड़ में अतिरिक्त सुरक्षा बरती जा रही है। जेल नंबर दो में चार क्यूआरटी टीम, तामिलनाडु पुलिस और तिहाड़ के सुरक्षाकर्मी हर समय मौजूद रहते हैं।

रोहित वेमुला दलित नहीं था, तेलंगाना पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट की दाखिल

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्र रोहित वेमुला की मौत मामले में एक स्थानीय कोर्ट के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित वेमुला दलित नहीं था और उसने असली पहचान उजागर होने के डर से आत्महत्या की थी।

मामले की जांच करने वाली साइबराबाद पुलिस ने कोर्ट को बताया कि रोहित वेमुला अनुसूचित जाति का नहीं था और उसे इसकी जानकारी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतक को कई मुद्दे परेशान कर रहे थे, जिसकी वजह से वह आत्महत्या कर सकता था। बता दें कि रोहित वेमुला ने 2016 में आत्महत्या की थी। पुलिस ने कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में बताया कि रोहित वेमुला को पता था कि वह अनुसूचित जाति से नहीं है और उसकी मां ने उसे एससी प्रमाण पत्र दिलाया था। इसे लेकर डर रहा होगा, क्योंकि इसके उजागर होने से उसे अपनी शैक्षणिक डिग्रियां खोनी पड़ सकती हैं और अभियोजन का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद यह स्थापित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला कि आरोपियों के कार्यों ने मृतक को आत्महत्या के लिए प्रेरित किया है। आरोपियों में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति अप्पा राव और हरियाणा के निवर्तमान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी शामिल थे।

डीडीए के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की लोहे की चारदीवारी करने से भड़के खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-14 में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहले आओ पहले पाओ आवासीय योजना के फ्लैट खरीदारों ने ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की लोहे की फेंसिंग से चारदीवारी करने का विरोध जताया है। ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदारों का आरोप है कि डीडीए प्रशासन ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को खरीदने वाले लोगों को कॉमन पार्क व सामुदायिक हॉल से दूर करने के लिए यह कदम उठा रहा है। इससे पहले डीडीए के ब्रॉशर में फ्लैटों को बुक करते समय या पंजीकरण करते समय इसका कोई जिक्र नहीं किया गया था। द्वारका सेक्टर-14 में डीडीए का ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदने वाले दिवाकर सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार से डीडीए प्रशासन व प्राधिकरण के अधिकारियों की तरफ से बिना किसी सूचना के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की चारदीवारी की जा रही है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है। डीडीए की इस सोसाइटी में एलआईजी व एमआईजी फ्लैट भी मौजूद हैं। ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को खरीदने वाले लोगों को कॉमन पार्क व सामुदायिक हॉल परिसर में जाने से रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है, जबकि इसका कोई अधिकारिक पत्र डीडीए ने ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदारों को जारी नहीं किया है। ईडब्ल्यूएस फ्लैट बुक करने वाले दीपक शर्मा ने बताया कि द्वारका सेक्टर-14 के पॉकेट-5 में डीडीए की पहले आओ पहले पाओ आवासीय योजना के तहत दिसंबर तक फ्लैट को बुक करा दिया था। यहां पर स्थित डीडीए की सोसाइटी में कुल 1008 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को लोगों ने खरीदा है। इन सभी को फ्लैटों के खरीदारी करने व अन्य दस्तावेज (पोजेशन लेटर) मार्च तक प्राप्त हो चुके हैं।

राजीव गांधी की हत्या से जुड़ी खुफिया जानकारी हुई गायब

- सिक्योरिटी एक्सपर्ट का दावा- इजराइल ने पूर्व प्रधानमंत्री पर खतरे की संभावना जताई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्योरिटी एक्सपर्ट नमित वर्मा ने दावा किया है कि इजराइल ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर खतरे की संभावना को लेकर खुफिया जानकारी शेयर की थी। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद इसकी कॉपी गायब हो गई। नमित वर्मा ने कहा कि पिछले तीन-चार दशक में इजराइल ने भारत के साथ कई अहम जानकारी को साझा किया था। इनमें सबसे अहम राजीव गांधी के जीवन पर खतरे से जुड़ी संभावना थी। यह संभावना सच भी साबित भी हुआ।

सावधान! कतई सुरक्षित नहीं आपके घर आ रहा दूध, दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दूध रोजाना की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली काफी महत्वपूर्ण चीज है। सुबह की चाय से लेकर रात तक इसका इस्तेमाल होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि जिस दूध का आप सेवन कर रहे हैं वो कितना सुरक्षित है? हम यह सवाल इसलिए पूछ रहे हैं क्योंकि इसी मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट में एक रिपोर्ट दाखिल हुई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जो दूध दिल्ली में सप्लाई हो रहा है उसमें ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह वही दवा है जो केंद्र सरकार 2018 में बैन कर चुकी है। तब सरकार की ओर से दावा किया गया था कि दूध की पैदावार बढ़ाने के लिए मवेशियों पर इसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे ना केवल मवेशियों बल्कि दूध का सेवन करने वाले लोगों पर भी इसका गलत असर पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने अप्रैल 2018 में इस दवा पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया था कि पैदावार

बढ़ाने के लिए दुधारू मवेशियों पर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे न केवल मवेशियों के स्वास्थ्य पर बल्कि दूध का सेवन करने वाले मनुष्यों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। इसके बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिकारियों को राजधानी में गाय-भैंस रखने वाली डेरियों में ऑक्सीटॉसिन के गलत उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि हार्मोन संबंधित दवा देना पशु क्रूरता और एक अपराध है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग से साप्ताहिक निरीक्षण करने और मामला दर्ज करने को कहा। पुलिस इसकी जांच करेगी। अदालत ने दिल्ली पुलिस के खुफिया विभाग से ऑक्सीटॉसिन उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण के स्रोतों की पहचान करने को कहा। साथ ही इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा। अदालत ने यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी में डेरियों की स्थिति से संबंधित सुनयना सिब्बल और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया है। पीठ में न्यायमूर्ति पी एस अरोड़ा भी शामिल थे। पीठ ने अदालत कमिशनर द्वारा उठायी गयी इस बात को भी दर्ज किया कि ऑक्सीटोसिन का अंधाधुंध प्रयोग मवेशियों से अधिक दूध प्राप्त कर दूध का उत्पादन करने के उद्देश्य से किया जा रह है। अदालत ने कहा, ''चूंकि ऑक्सीटोसिन को देना पशु क्रूरता है और यह पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 के तहत एक संज्ञेय अपराध है, परिणामस्वरूप यह अदालत औषध नियंत्रण विभाग जीएसीटीडी को निर्देश देता है कि साप्ताहिक निरीक्षण करवाये जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीटोसिन के गलत उपयोग या इसे रखने के सभी मामलों को पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 एवं दवा एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धार 18(ए) के तहत दर्ज किया जाए।''

अब फिलीपींस में बंदरगाह डेवलप करेगा अडाणी पोर्ट्स

- कंपनी के एमडी करण अडाणी ने वहां के प्रेसीडेंट से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड अब फिलीपींस में निवेश की तैयारी में है। फिलीपींस के राष्ट्रपति कार्यालय के तरफ से जारी रिलीज में कहा गया है कि अडानी पोर्ट्स ने फिलीपींस के बटान में एक 25 मीटर डीप पोर्ट को डेवलप करने में दिलचस्पी दिखाई है। इसमें आगे कहा गया है कि प्रेसीडेंट मार्को ने अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन की योजना का फिलीपींस में स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को संभालने पोर्ट्स की तरह विकसित किया जाए, जिससे फिलीपींस ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धा कर सके।

रटगर्स विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थित प्रदर्शन में दिखे कश्मीरी झंडे, नाराज हुए भारतीय अमेरिकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सुहाग शुक्ला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन झुक गया है। एक अन्य संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इससे कश्मीर के अल्पसंख्यक समुदाय को नफरत और गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। फलस्तीन के समर्थन में इन दिनों अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे ही प्रदर्शन के दौरान न्यू जर्सी स्थित रटगर्स विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों ने फलस्तीन और कुर्द झंडों के साथ ही कश्मीर के अलगाववादी झंडे भी लहराए। इस पर भारतीय अमेरिकी संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। भारतीय अमेरिकी समूहों ने रटगर्स विश्वविद्यालय के चांसलर द्वारा कश्मीरी झंडे लहराने की अनुमति देने की आलोचना की और कहा कि इससे गलत संदेश जाएगा। शुक्रवार को रटगर्स विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे समूह ने बताया कि रटगर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उनकी 10 में से आठ मांगें मान ली हैं। इसमें से एक मांग ये भी है कि दुनियाभर में जिन लोगों पर कब्जा है, उनके झंडे लहराए जाएं, जिनमें फलस्तीन, कुर्द के साथ ही कश्मीर का झंडा भी शामिल है। हालांकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने ऐसी कोई मांग नहीं मानी है। कई भारतीय अमेरिकी संगठनों ने इस पर नाराजगी जताई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सुहाग शुक्ला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन झुक गया है। एक अन्य संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इससे कश्मीर के अल्पसंख्यक समुदाय को नफरत और गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। इसी झंडे के नीचे कश्मीरी हिंदुओं को उनके अपने घर से विस्थापित कर दिया गया। धर्मा विवेक नामक एक यूजर ने लिखा कि रटगर्स यूनिवर्सिटी ने सभी सार्वजनिक संस्थानों के लिए गलत उदाहरण पेश किया है। अराजकतावादियों से समझौता करना गलत है और यह जनता के विश्वास के साथ धोखा है। गौरतलब है कि रटगर्स यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के छात्र पढ़ते हैं और न्यू जर्सी में भारी तादाद में भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

फ्रीजर में मिले पांच में से चार बच्चों के शव, फिर भी महिला को नहीं मिली सजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां साल 2022 में एक फ्रीजर से चार बच्चों के शव मिले थे। इस मामले में एक 69 वर्षीय महिला पर आरोप लगाए गए थे। हालांकि, अब सफोल्क काउंटी के जिला अटॉर्नी ने घोषणा की है कि महिला के खिलाफ कोई आरोप दायर नहीं किया जाएगा।

जिला अटॉर्नी केविन हेडन ने 17 नवंबर, 2022 के मामले को अबतक का सबसे जटिल, असामान्य और हैरान करने वाला मामला बताया। हेडन ने मंगलवार को कहा कि जांच करने वाले अधिकारियों को यह नहीं पता चला कि बच्चे जिंदा पैदा हुए थे या नहीं। इसकी वजह से महिला के खिलाफ आपराधिक आरोप नहीं लगाने का फैसला लिया गया।

जिला अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि एक शख्स ने पुलिस को फोन करके बताया था कि जब पत्नी उसकी बहन के अपार्टमेंट की सफाई कर रही थी तब फ्रीजर में बच्चों के शव मिले। पुलिस दक्षिण बोस्टन के एक अपार्टमेंट में पहुंची और फ्रीजर से बच्चों के शव निकाले।

अभियोजक कार्यालय ने कहा कि बच्चों में दो लड़के और दो लड़कियां थे। बच्चों को पन्नी में लपेटकर जूतों के बॉक्स में रखा गया था। डीएनए टेस्ट से पता चला कि वे सभी भाई-बहन थे और उनके पिता की साल

2011 में मौत हो गई थी। केविन हेडन ने कहा, हम कभी नहीं जान पाएंगे कि एलेक्सिस अल्दामिर के अपार्टमेंट में पाए गए चार बच्चे कहां या कब पैदा हुए थे। हम कभी नहीं जान पाएंगे कि क्या चार बच्चे जीवित पैदा हुए थे और हम कभी नहीं जान पाएंगे कि उनके साथ क्या हुआ। हम कभी नहीं जान पाएंगे कि एलेक्सिस अल्दामिर ने अपनी गर्भावस्था को कैसे छिपाया या उसने ऐसा करने का फैसला क्यों किया।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र भेजेगा प्रतिनिधिमंडल

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, हमास मध्यस्थता वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हो गया है। उसने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ मिस्र में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का एलान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समूह के एक प्रमुख शख्स खलील अल-हय्या प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

हमास का बयानत्र हमास के बयान ने एक बार फिर बातचीत के प्रति संगठन के सकारात्मक रुख को दोहराया है। बयान में कहा गया है, हम एक समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र जा रहे हैं। हम हमास और फलस्तीनी प्रतिरोध बलों में एक समझौते पर पहुंचे के लिए दृढ़ हैं। हमले की समाप्ति, बंधकों की वापसी, विस्थापितों की वापसी, राहत और

पुनर्निर्माण और एक गंभीर विनिमय सौदे के लिए हमारे लोगों की मांगों को पूरा करता है।

इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन पियरे ने दक्षिणी शहर राफा में संभावित बड़े सैन्य अभियानों के संबंध में इस्राइल को चेताया है। जीन-पियरे ने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों के जीवन की रक्षा हो। हमें विश्वास है कि इस्राइल सरकार हमारी चिंताओं को ध्यान में रखने जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने इस्राइल और हमास दोनों से आग्रह किया है कि वे दोनों एक समझौते पर पहुंचने को प्राथमिकता दें। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में गुटारेस ने संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही कहा, गाजा के लोगों, बंधकों और उनके परिवारों, क्षेत्र और व्यापक दुनिया की खातिर मैं इस्राइल सरकार और हमास नेतृत्व को उनकी वार्ता में एक समझौते पर पहुंचने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित करता हूं। हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन ने लॉन्च किया मिशन चांग ई-6, चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों पर रिसर्च की योजना

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने चंद्रमा के नमूने एकत्र करने और उन्हें रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाने के लिए चंद्र जांच मिशन शुरू किया है। चीन ने इस अभियान का नाम मिशन चांग ई-6 दिया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार चांग ई-6 मिशन के अंतर्गत चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने इकट्ठा किए जाएंगे। इसके बाद इन नमूनों को पृथ्वी पर लाकर इन पर रिसर्च की जाएगी।

सीएनएसए का कहना है कि मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। चांग ई-6 को लॉन्ग मार्च-5वाय 8 रॉकेट द्वारा चांद पर ले जाया गया है। इसे हैनान प्रांत के वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार चांग ई-6 में ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल के रूप में चार घटक शामिल हैं। इस मिशन के तहत चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों को इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद इन नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल में स्थानांतरित करने के लिए एसेंडर की मदद से ऑर्बिटर में ले जाया जाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।